INTERNATIONAL NEWS AND VIEW CORPORATION
INVC
अंतरराष्ट्रीय समाचार एवं विचार निगम

LAC पर मिसाइलें होंगी तैनात - रक्षा अधिग्रहण परिषद ने दी मंजूरी

By : Editor Published On : 1 Oct, 2020 10:00 AM IST

नई दिल्ली। भारत अगले महीने होने वाले सातवें परीक्षण के बाद औपचारिक रूप से निर्भय उप-क्रूज मिसाइल को भारतीय सेना और नौसेना में शामिल करेगा। लेकिन पहले ही सीमित संख्या में मिसाइलों को वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी)पर स्थानांतरित कर चुका है। जहां भारतीय सैनिक चीन के सैनिकों के साथ तनावपूर्ण गतिरोध में हैं। 1,000 किमी रेंज के ठोस रॉकेट बूस्टर मिसाइल में 90 प्रतिशत से अधिक एकल शॉट मारने का अनुपात है।

इसे डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (DRDO) द्वारा विकसित किया गया है। इसके विकास से परिचित लोगों ने हिंदुस्तान टाइम्स को बताया भारत ने एक लंबी दूरी की ब्रह्मोस सतह से सतह पर मार करने वाली सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का परीक्षण किया, जो 400 किमी दूर तक निशाना साध सकती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली रक्षा अधिग्रहण परिषद ने निर्भय सब-सोनिक मिसाइल की औपचारिक शुरूआत को मंजूरी दे दी है।

हालाँकि, सेना ने नई मिसाइल को तैनात करने की औपचारिकता की प्रतीक्षा नहीं की और चीन के खिलाफ एलएसी का बचाव करने के लिए उनमें से कुछ को पहले ही स्थानांतरित कर दिया है। 0.7 मैक की गति से यात्रा करने वाली इस मिसाइल में भू-आलिंगन और सी-स्किमिंग दोनों क्षमता है LAC में, पीएलए के पश्चिमी थिएटर कमांड ने इस साल मई में लद्दाख स्टैंड-ऑफ शुरू होने के बाद तिब्बत और शिनजियांग में 2,000 किमी रेंज और लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों को तैनात किया है।

चीनी तैनाती अक्साई चीन पर कब्जा करने के लिए सीमित नहीं है, लेकिन 3,488 किलोमीटर वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के साथ काशगर, होटन, ल्हासा और निंगची से गहराई तक स्थित है। अधिकारियों ने कहा कि बुधवार को 400 किमी रेंज वाली ब्रह्मोस मिसाइलों का स्वदेशी एयरफ्रेम और बूस्टर के साथ परीक्षण महत्वपूर्ण है। ये नए जमाने के हथियार ठोस ईंधन वाली डक्टेड रैमजेट (एसएफडीआर) तकनीक पर आधारित होंगे, जिनका इस्तेमाल हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों के साथ-साथ लंबी दूरी की सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों के लिए भी किया जा सकता है।

डीआरडीओ द्वारा तकनीक का परीक्षण दो बार किया गया है - 30 मई 2018 को, और 8 फरवरी 2019 को। भारतीय मिसाइल के एक्सपर्ट ने कहा, "क्रूज मिसाइल के नए वर्ग में एसएफडीआर प्रौद्योगिकी का उपयोग करके सुपरसोनिक गति के साथ एक ठोस रॉकेट बूस्टर होगा। मिशन के उद्देश्यों के आधार पर मिसाइलों की सीमा तय की जा सकती है।" पीएलसीPLC.

URL : https://www.internationalnewsandviews.com/missiles-to-be-deployed-on-lac-defense-acquisition-council-approved/

INTERNATIONAL NEWS AND VIEW CORPORATION
INVC
अंतरराष्ट्रीय समाचार एवं विचार निगम

12th year of news and views excellency

Committed to truth and impartiality

Copyright © 2009 - 2019 International News and Views Corporation. All rights reserved.

www.internationalnewsandviews.com